रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 5 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 222 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

स्वच्छता हमारी आदत, परंपरा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वच्छता से समृद्धि आती है। स्वच्छता हमारी परंपरा, दिनचर्या और संस्कारों में सदियों से शामिल रही है, किंतु समय के साथ हम इसे भूलते गए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इन आदतों और संस्कारों को पुनर्जीवित कर स्वच्छता को जन आंदोलन का रूप दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अंतर्गत आयोजित स्वच्छता कर्मवीरों के सम्मान समारोह और सहभोज कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में इंदौर ने लगातार आठ बार प्रथम स्थान प्राप्त कर देश में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके लिए इंदौर के सभी 36 लाख नागरिक और विशेष रूप से स्वच्छता कर्मवीर बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता के क्षेत्र में विश्वस्तरीय पहचान बनाई है। यह उपलब्धि टीम भावना, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और सफाईकर्मियों की अथक मेहनत से संभव हुई है। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड, श्री महेंद्र

हार्डिया, विधायक श्री मधु वर्मा तथा सुश्री ऊषा ठाकुर, अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा, पूर्व विधायक श्री जीतू जिराती, पूर्व महापौर श्री कृष्ण मुरारी मोघे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वच्छता कर्मवीरो का सम्मान कर साथ में किया भोजन समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वच्छता कर्मवीरों का सम्मान कर उनके साथ भोजन किया। उन्होंने इंदौर को स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार आठ बार अव्वल बनाने के लिए स्वच्छता कर्मवीरों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मवीरों ने अपनी कर्मठता, लगन, मेहनत, सेवा और समर्पण भाव से कार्य कर इंदौर को नई ऊँचाईयों तक पहुँचाया है। स्वच्छता कर्मवीर सही अर्थों में सम्मान के हकदार है। उन्होंने "स्वच्छता का महागुरु" लोगो का विमोचन भी किया। स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पार्षदों और वार्डों को भी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुरस्कृत किया। स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार वार्ड क्रमांक 13 को, द्वितीय पुरस्कार वार्ड क्रमांक 03 को तथा तृतीय पुरस्कार वार्ड क्रमांक 32 को दिया गया। स्वच्छता में सर्वश्रेष्ठ पार्षद का प्रथम पुरस्कार श्री योगेश गेंदर, द्वितीय पुरस्कार श्री पराग कौशल तथा तृतीय पुरस्कार श्री राजीव जैन को दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश के पहले जीरो वेस्ट जू (प्राणी संग्रहालय) का शुभारंभ भी किया। यह कार्य मंदिर क्षेत्र के सौंदर्यीकरण, श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक अहम कदम है। कार्यक्रम को जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने भी संबोधित किया।

चालित झांकीयो में मदद के लिए आगे आये सत्यनारायण पटेल का योगदान

दैनिक रणजीत टाइम्स

इंदौर I इन्दौर 1942 से चली आ रही गणेश विसर्जन चल समारोह की परम्परा को आगे बडाने मे अ.भा. कार्गेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल आगे आए और चल समारोह में शामिल झांकीयां के निर्माण मे दो मिलो की झाँकी के लिए एक एक झाँकी को विशेष सहयोग. श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा दिया गया जिसमें, कल्याण मील, मालवा मिल के अलावा अन्य मिलो को 25-25 हजार रुपये नगद देकर मिलो की कमेटीया का होसला बडाया। इस अवसर पर श्री पटेल परिवार के सहयोगी मदन परमालिया ने बताया की झाँकीयों की परमपरा के लिऐ पटेल परिवार सदेव आगे रहेगा। इस अवसर पर हुकमचंद मील के अध्यक्ष श्रीवंश ने कहा की पटेल परिवार, के हम ऋणी है की वे हमेशा आगे आकर हमारी मिल कमेटीयो को आर्थीक

सहयोग करते हैं। इस अवसर पर हरनाम सिंह धालीवाल, कन्हैयालाल मरमट, किशनलाल बोकरे, हिरालाल वर्मा, दिलीप माथुर, चंपालाल वर्मा, गेंदालाल वर्मा आदि की उपस्तिथी मे राशी दी गई परमालिया ने आगे बतायो की इस अवसर पर मिलो की कमेटीयो के पदाधीकारीयों ने सत्यनारायण पटेल का आभार माना।

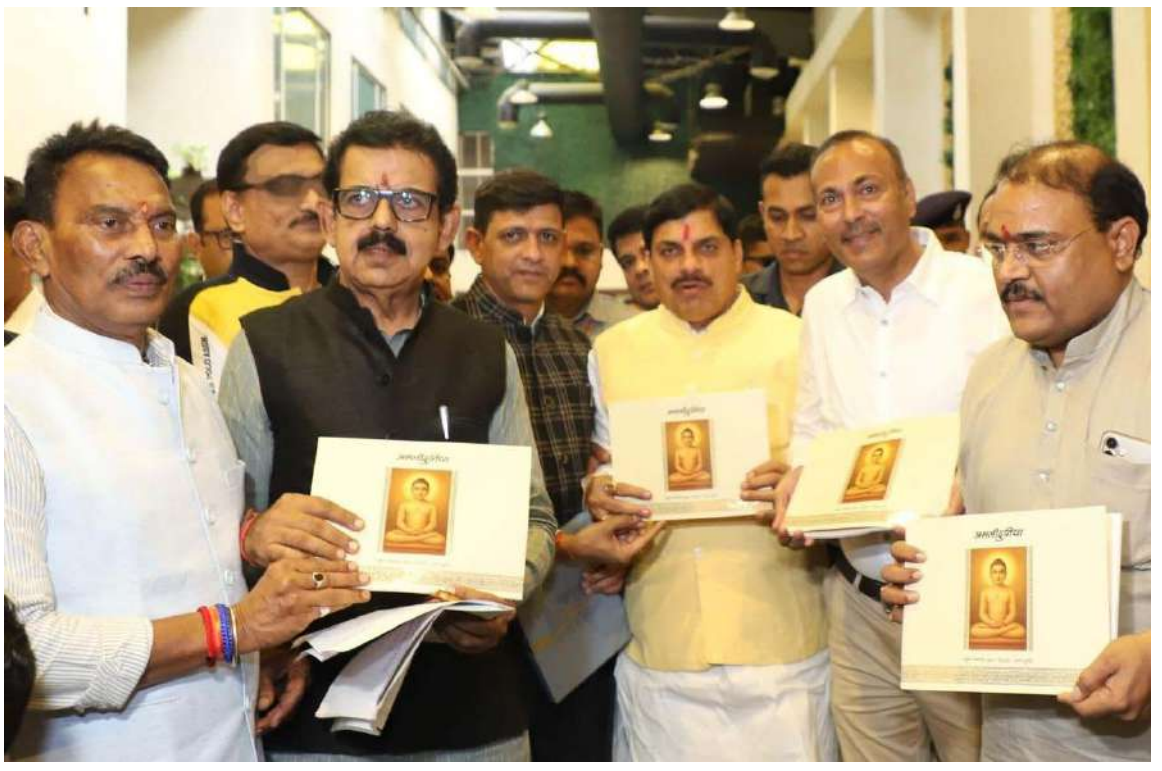

क्षमावाणी पर्व पर प्रकाशित पुस्तक मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेंट की

दैनिक रणजीत टाइम्स

इंदौर I जैन समाज के क्षमावाणी पर्व पर असली दुनिया द्वारा प्रकाशित पर्युषण विशेषांक की प्रति आज यहाँ म. प्र. के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पुस्तक के संपादक अन्ना दुराई ने भेंट की। विशेषांक का संपूर्ण जैन समाज में नि:शुल्क वितरण किया गया। पुस्तक में बंधुता, सद्भावना एवं सुख शांति के पथ पर अग्रसर होने के लिए जैन मुनि भगवंतों एवं साध्वीजी के प्रेरक विचारों को संजोया गया है। इस अवसर पर मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी मौजूद रहे। गत 35 वर्षों से यह पुस्तक निरंतर प्रकाशित हो रही है।

डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन के विशेष जागरूकता अभियान के तहत एक्रोपोलिस कॉलेज एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ

3 सितम्बर 2025 को डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन,महिला बाल विकास विभाग जिला इंदौर एवं एक्रोपोलिस ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूट्स के वुमन सेल के संयुक्त तत्वाधान में (AFMR, AITR एवं AIMSR) द्वारा कमलप्रभा ऑडिटोरियम में "महिला उन्मुखीकरण कार्यक्रम (Women Orientation Program)" का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रजनीश सिन्हा, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला इंदौर रहे। मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत ग्रुप डायरेक्टर श्री जे. एल. भंडारी ने किया। श्रीमती मधुमति शिरोले, सहायक संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला इंदौर का स्वागत डॉ. संदीप सिंह ने किया।

इस अवसर पर डॉ. तरुण कुशवाहा ने डॉ. वंचना सिंह परिहार, महिला सशक्तिकरण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला इंदौर को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मंच से मुख्य अतिथि श्री सिन्हा ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं तथा महिलाओं से संबंधित गतिविधियों एवं कानून जिससे कार्यस्थल पर महिलाओं को लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम 2013, shebox, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, वन स्टॉप सेंटर, डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन की विस्तृत जानकारी साझा की। इसके पश्चात डॉ. वंचना सिंह परिहार ने विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़े सभी प्रमुख कानूनों, जैसे घरेलू हिंसा अधिनियम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम, दहेज निषेध कानून एवं महिला अधिकारों से संबंधित अन्य विधिक प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि अपने अधिकारों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे आत्मनिर्भर और सुरक्षित रह सकें। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन डॉ. सरिता राणा द्वारा किया गया। सत्र अत्यंत सफल रहा, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कई जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे। अंत में प्रो. प्रियंशी तिवारी ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बड़ी ही सुन्दर झांकी ढ़ोल और तासे के साथ निकले श्री बलाई पंच राधा कृष्ण मंदिर के डोल

इंदौर राधा कृष्ण मंदिर समिति के द्वारा डोल ग्यारस पर 70 वर्षों से निभा रहे हैं अपनी परंपरा इस बार भी डोल ग्यारस का जुलूस बड़े ही धूमधाम से निकाला गया आयोजन अशोक मालवीय ने बताया कि हमारी परंपरागत हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सभी का मनमोहन वाली शिव बारात की झांकी निकल रही है यह हमारा डोल का 52 व वर्ष है जिसे हम लोग बड़े धूमधाम से डोल निकाल रहे हैं आगे भी हमारी नई पीढ़ी इसी तरह धूमधाम से डोल निकाले यही हमारी मनोकामना है वही बलाई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा शानदार प्रस्तुति भी दी गई सभी खलीफा द्वारा भव्य प्रदर्शन भी किया गया वाहि मंदिर राधा कृष्ण मंदिर समिति धर्मराज प्रधान पूर्व एसडीएम एवं संरक्षक,लीलाधर कुराडिया वरिष्ठ समाजसेवी भाजपा, अनिल जी मालवीय कोषाध्यक्ष, सन्नी जुम्बे, युवा अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण जी काका व्यवस्थापक,संयोजक अशोक मालवीय,समाज सेवी विजय चौहान,जयराज प्रधान,कुमार प्रधान,संजय चौहान, कैलाश मालवीय,बलाई महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार, पार्षद भावना सुंदर लाल चौधरी, खलीफा मे कुलदीप प्रधान अखाड़े के खलीफा,अंतर सिंह जी प्रधान, चंद्रशेखर मालवीय,रमेश चंद्र मालवीय अन्य साथी गण भी इस जुलूस मे उपस्थित हुए।

मायापूरी कॉलोनी में दिनांक 02 सितम्बर 2025, मंगलवार की रात भव्य महाआरती एवं 56 भोग का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

राजेश धाकड़

इंदौर। यह धार्मिक कार्यक्रम मायापूरी कॉलोनी स्थित महक वाटिका गार्डन के पीछे

आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और श्रद्धालु उपस्थित रहे। संगीतमय वातावरण में हुई महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश जी का सामूहिक पूजन कर 56 भोग अर्पित किए। इसके उपरांत महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें सभी ने भाग लिया और भक्ति भाव से प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भक्तों ने दीप प्रज्वलित कर भगवान गणेश जी से सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की बड़ी संख्या में सहभागिता ने इस धार्मिक आयोजन को और अधिक सफल एवं भव्य बना दिया। मायापूरी कॉलोनी का यह धार्मिक आयोजन पूरे क्षेत्र में भक्ति और उल्लास का वातावरण निर्मित करने वाला रहा।

आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाने वालेः

पंकज पाटील, चिंटू सोनी, संतोष पवार, मिंटू सोनी, पीयूष पाटिल, प्रियांशु राय, देवेंद्र कंकुरे, माखन पवार, युवराज सिंह भाटी, आयुष पाटील, सतीश तटवारे, रमन चौहान, कबीर पाटिल, अंशु ओचाट, विवेक मरमठ, कुणाल भालसे, केशव पाटिल।

जैन समाज की बेटी बनी प्रेरणा: दिगंबर और श्वेतांबर पंथ को जोड़ती हुई उत्तम तपस्या

राजेश धाकड़

इंदौर,जैन समाज मुख्य रूप से दो प्रमुख पंथों – दिगंबर और श्वेतांबर – में बंटा हुआ है। लेकिन धर्म की सच्ची भावना सदैव यह रही है कि तप, साधना और आस्था किसी भी विभाजन से परे जाकर आत्मा के उत्थान का मार्ग प्रशस्त करें। इसी भाव को साकार कर रही हैं पूनम जैन। पूनम जैन, जो मूलतः दिगंबर जैन समाज की बेटी हैं,पिता श्रीपाल जी जैन की सुपुत्री, आज श्वेतांबर जैन समाज की बहु हैं पति अंश जी जैन की धर्मपत्नी दोनों ही पंथों की परंपराओं को आत्मसात करते हुए उन्होंने पर्यूषण पर्व पर विशेष तपस्या का संकल्प लिया है।

आस्था और दृढ़ निश्चय के साथ पूनम जैन ने निर्जला उपवास की कठिन साधना आरंभ की। अब तक उन्होंने लगातार 13 उपवास पूर्ण कर लिए हैं

और उनके संकल्प अनुसार यह संख्या 16 उपवास तक पहुँचेगी। उनकी साधना केवल व्यक्तिगत तपस्या ही नहीं, बल्कि जैन समाज के लिए एकता और समर्पण का प्रेरक उदाहरण भी है। जैन समाज के आचार्यों और समाजजनों ने पूनम जैन के इस संकल्प और तपस्या की सराहना करते हुए इसे धर्म की सच्ची साधना बताया है। पर्यूषण पर्व पर किया गया यह कठिन व्रत निश्चित ही उनकी आत्मशुद्धि और मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर होगा। उत्तम तपस्या और त्याग से ओतप्रोत यह प्रेरणादायी कदम आने वाली पीढ़ियों के लिए यह संदेश देता है कि,"धर्म विभाजन नहीं, बल्कि आत्मा की एकता और शुद्धि का मार्ग है।

रणजीत टाइम्स

इंदौर में किया कैंपेन लॉन्च - डाबर च्यवनप्राश आयुर्वेदिक चमत्कार

- 3,000 साल पुरानी जड़ी-बूटी को डाबर ने फिर से किया प्रासंगिक
- प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले डाबर च्यवनप्राश के साथ करें मानसून का स्वागत

इंदौर। भारत में लोग सबसे ज्यादा मानसून का इंतजार करते हैं, क्योंकि यह चिलचिलाती गर्मी से राहत देकर हमें फिर से तरोताजा कर देता है। लेकिन हमारे भीतर नई ताजगी का संचार करने के साथ-साथ यह मौसम कई तरह की बीमारियां भी साथ लाता है, और रोग प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने पर हम इनकी चपेट में आ सकते हैं, और खासकर बच्चे इससे प्रभावित होते हैं। तापमान में कमी और नमी के स्तर में वृद्धि के कारण मानसून के दौरान संक्रमण होना एक आम बात है।आमतौर पर मानसून में सर्दी एवं खाँसी, मलेरिया, डेंगू, टायफाइड और निमोनिया जैसी बीमारियां फैलती हैं। उष्ण, नम और आर्द्र जलवायु के कारण कई तरह के संक्रमण हो सकते हैं, जो प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने पर ज्यादा तेजी से फैलते हैं। इस संदर्भ में, डाबर च्यवनप्राश ने हाल ही में इंदौर स्थित जगदाले स्कूल में एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें प्राचार्य जगदीश परिहार, उप-प्राचार्य उमेश राव पवार और डाबर इंडिया से श्री ब्यास आनंदजी शामिल हुए।

सदियों पुरानी आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति पर आधारित औषधि की सही मात्रा, मानसून के रोगाणुओं से लड़ने में मददगार है। एलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान में बीमारियों का इलाज किया जाता है, जबकि प्राचीन भारतीय जड़ी-बूटियों और आयुर्वेद में दिए गए सूत्र हमारी जीवन शैली को स्वस्थ एवं ऊर्जावान बनाते हैं।रसायन तं त्र, आयुर्वेद की आठ विशेषताओं में से एक है। इसमें नवजीवन का संचार करने से संबंधित नुस्खे, आहार अनुशासन और विशेष स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले व्यवहार का विवरण मौजूद है। प्रतिदिन दो चम्मच डाबर च्यवनप्राश का उपयोग करना, दैनिक आहार में रसायण तंत्र को शामिल करने का एक तरीका है। डॉ. रुचि सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष आयुष ने कहा कि,च्यवनप्राश एक प्रसिद्ध आयुर्वेदिक सूत्र है, जिसका इस्तेमाल कई दशकों से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करने के लिए किया जा रहा है। डाबर ने कई प्रकार के नैदानिक एवं पूर्व-नैदानिक अध्ययनों का संचालन किया है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता, मौसम के दुष्प्रभावों, नासिका संबंधी एलर्जी एवं संक्रमण, इत्यादि पर लाभकारी प्रभावों की पुष्टि करता है। च्यवनप्राश प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में वर्णित त्रिदोष 'वात, पित्त और कफ' को संतुलित करने में मदद करता है। डाबर च्यवनप्राश रोगाणुओं से लड़ने वाले डेंट्रिक सेल, एनके सेल और मैक्रोफेज को सक्रिय करने में मदद करता है। श्री ब्यास आनंद, प्रमुख सीएसआर एवं कॉरपोरेट कम्युनिकेशन्स, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, "आयुर्वेद की समृद्ध विरासत और प्रकृति के गहन ज्ञान के साथ, डाबर ने हमेशा प्रामाणिक अध्ययन के माध्यम से सभी के लिए सुरक्षित, लागत प्रभावी और प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान केंद्रित किया है। आयुर्वेद पुस्तकें/पांडुलिपियाँ। हम अपने उत्पाद के माध्यम से वर्तमान में भारत में विभिन्न बीमारियों से निपटने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में, लोग अपने 'प्रकृति' गुणों के कारण चिकित्सा हस्तक्षेप के रूप में हर्बल और वनस्पति अर्क को पसंद करते हैं। डाबर च्यवनप्राश आयुर्वेद के प्राचीन भारतीय ज्ञान और विज्ञान की अत्याधुनिक तकनीक से तैयार किया गया फॉर्मूलेशन है। यह उत्पाद खुद को दिन-प्रतिदिन के विभिन्न संक्रमणों से बचाने का एक आदर्श तरीका है।

अमला (भारतीय आंवला) डाबर च्यवनप्राश का प्रमुख घटक है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाले गुणों के लिए जाना जाता है। इसके अलावा गुदुची, पिप्पली, कांटाकरी, काकदासिंगी, भूम्यामालकी, वासाक, पुष्करमूल, प्रिष्णीपर्णी, शालपर्णी, आदि अन्य सामग्रियां भी सामान्य संक्रमण एवं श्वसन तंत्र की एलर्जी को कम करने में मददगार हैं। इस प्रकार च्यवनप्राश कई गुणकारी जड़ी-बूटियों का संतुलित मिश्रण है, जो मानसून के मौसम में रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान कर हमें बेहतर स्वास्थ्य देता है।

मानू निकला महफूज-जमानत याचिका निरस्त

राजेश धाकड़

इंदौर।प्रेम प्रसंग और छलावे की आड़ में लव जिहाद का मामला सामने आया है। मोनू उर्फ महफूज की जमानत याचिका को माननीय अष्टम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती अनीता सिंह के न्यायालय ने खारिज कर दिया। पीड़िता की ओर से अधिवक्ता प्रशांत वर्मा ने मजबूती से पैरवी की।

घटना का विवरण

जानकारी के अनुसार महफूज ने कैटरिंग कार्य के बहाने पीड़िता से संपर्क किया और अपना नाम मोनू बताकर नजदीकियां बढ़ाईं। शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शारीरिक शोषण करता रहा। इसी दौरान पीड़िता ने एक पुत्र को जन्म भी दिया। कुछ समय बाद जब पीड़िता को महफूज के असली दस्तावेज हाथ लगे तो वह हैरान रह गई। असलियत सामने आने पर जब पीड़िता ने विरोध किया तो महफूज ने उसे धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला, विरोध करने पर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। कई माह तक पीड़िता की मर्जी के खिलाफ शारीरिक शोषण किया जाता रहा।

पुलिस कार्रवाई

आखिरकार पीड़िता ने साहस जुटाकर थाना खजराना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महफूज उर्फ मोनू के खिलाफ बलात्कार, मारपीट, जान से मारने की धमकी एवं धार्मिक

स्वतंत्रता अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। गंभीर अपराधों को देखते हुए अदालत ने आरोपी महफूज की जमानत अर्जी को निरस्त कर दिया।,यह मामला समाज को जागरूक करने वाला है कि पहचान छिपाकर छलपूर्वक रिश्ते बनाना न केवल कानूनन अपराध है बल्कि सामाजिक रूप से भी घातक है।

कृषि मंत्री एंदलसिंह कंसाना से भेंट कर क्षेत्र के किसानो की समस्याओं से अवगत करवाया

रणजीत टाइम्स

नागदा जं. I भारतीय किसान युनियन मंच प्रदेश अध्यक्ष कवि देवसिंह गुर्जर एवं भारतीय किसान युनियन मंच राष्ट्रीय सचिव सुरेन्द्रसिंह गुर्जर मंगलवार को भोपाल पहुंचकर मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री माननीय श्री एंदलसिंहजी कंसाना से भेंट की तथा पत्र देकर क्षेत्र के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। पत्र में बताया गया कि क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि एवं जलभराव के कारण फसलो के हुए नुकसान तथा पीला मोजक बिमारी से फसले खराब हो रही है जिससे किसानो को आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। फसलो के हुए नुकसान का सर्वे करवाकर किसानो को मुवावजा दिलवाया जाय। इसके साथ ही पिछली फसलो के बीमा राशि भुगतान में अनियमितता होने से किसानो को पर्याप्त बीमा राशि का भुगतान नहीं मिल पाया जिससे किसानो में आक्रोश है। किसानो की उपज को समर्थन मुल्य पर खरीदे जाने का भी अनुरोध किया गया। पत्र में आगे बताया कि ग्रेसिम व लैंक्सेस उद्योगो द्वारा नदी में छोड़े जा रहे अपशिष्ट से नदी के पास की कृषि भूमि के बंजर होने तथा यहां के निवासियों को गंभीर बिमारी कैंसर, लकवा जैसे रोग होकर स्थायी रूप से विकलांग हो चुके है तथा इन्हें किसी प्रकार की सहायता नहीं मिलने से ये ग्रामीण लाचार है। उद्योगो पर कार्यवाही करने की मांग की गई। प्रदूषण विभाग भी पानी की जांच कर अपनी रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया है। पिछले वर्षो में उद्योगो एवं प्रदूषण विभाग द्वारा समय-समय पर जारी रिपोर्ट की प्रति सौपी है। मुलाकात के दौरान भारतीय किसान युनियन मंच प्रदेश अध्यक्ष कवि देवसिंह गुर्जर, भारतीय किसान युनियन मंच राष्ट्रीय सचिव सुरेन्द्रसिंह गुर्जर एवं किसान मौजूद रहे।

श्राद्ध पक्ष में सहजयोग ध्यान के माध्यम से पितरों की मुक्ति संभव।

हिन्दू धर्म में माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ी पूजा माना गया है। इसलिए हिंदू धर्म में शास्त्रों में पितरों का उद्धार करने के लिए संतान द्वारा विधि विधान से तर्पण करने का नियम है। जन्मदाता माता-पिता को मृत्यु-उपरांत लोग विस्मृत न कर दें, इसलिए उनका श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन कृष्णपक्ष अमावस्या तक के सोलह दिनों को पितृपक्ष कहते हैं जिसमें सभी अपने पूर्वजों की सेवा करते हैं और अपने कर्म से उनके प्रति अपनी आस्था दर्शाते हैं। ऐसी मान्यता है कि आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। सहज योग एक ऐसी वैज्ञानिक ध्यान पद्धति है जिसमें सारे विधि विधान ध्यानावस्था में ही कर लिये जाते हैं। जब मानव की सहज योग ध्यान पद्धति से कुंडलिनी जागृत होती है और जब ईश्वर से एकाकारिता प्रस्थापित होती है, तब हाथों से बहता चैतन्य हमारे सारे आध्यात्मिक और आत्मिक कार्य सुचारू रुप से संपन्न करने में हमारी सहायता करते हैं। ध्यानावस्था के दौरान जब हमारे हृदय चक्र के दाहिनी ओर जहाँ श्री राम और सीता माता का स्थान है, वहाँ हमें भारीपन, दर्द या असंतुलन महसूस होता है तब सहज योगी यह जान लेते हैं कि उनके माता पिता चाहे वो जीवित हो या उन्होंने शरीर छोड़ दिया हो, वे किसी न किसी बेचैनी से ग्रस्त हैं तब सहज योगी दाहिने हृदय पर उनकी स्वस्थता की कामना करते हुये अपनी हथेली से उनपर चैतन्य प्रवाहित करते हैं, श्री माताजी से प्रार्थना करते हैं और मंत्र बोलते हैं। ऐसे ही, श्राद्धपक्ष में यदि किसी साधक को लगता है कि उनपर पितृदोष है तब सुबह के ध्यान के उपरांत 16 दिनों तक ये प्रार्थना नियमित करते हैं कि, 'हे परमपिता परमेश्वर हमारे समस्त पितृ पूर्वजों को आप सद्गति दीजिये, उन्हें अपने श्रीचरणों मे स्थापित कीजिए ।' कई बार पितर अपनों बच्चों की चिंता में भी अशांत रहते है इसीलिए पितरों से भी प्रार्थना करते हैं कि 'आप हमारी चिन्ता ना करे हम माँ आदिशक्ति के श्रीचरणों मे पूर्ण रूप से सुखी और संतुष्ट है।'

सहजयोगियों के रोज इस प्रकार की प्रार्थना के उपरांत अन्य किसी भी अन्य श्राद्धकर्म की आवश्यकता नहीं रहती। इस अनूठी ध्यान पद्धति से जुड़ने हेतु व आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

स्व. मामाजी को नमन कर नई फसल के अंश भेंट करने आ रहे है श्रद्धावान भक्त मामाजी के जिले के बामनिया स्थित भील आश्रम में लग रहा है भक्तों का मेला

झाबुआ : राजेश सोनी

स्व. मामा बालेश्वर दयाल की कुटिया और समाधिस्थल , जिसके समीप श्रद्धावत राजस्थान के सुदूर इलाको से आए मामाजी के भक्त भाई , बहिने एवं बच्चे बैठे है , और अपने इस भगवान को श्रद्धाभाव से नमन कर अपनी नई फसल के अंश भेंट कर रहे है। साथ ही स्व. मामाजी की बताई नेक राह पर चलकर आदर्श जीवन व्यतीत करने का संकल्प दोहरा रहे है। सच्ची आस्था और अटूट स्नेह से सराबोर इस प्रकार के सुखद दृश्य प्रसिद्ध समाजवादी चिंतक, पूर्व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ,पूर्व राज्यसभा सांसद , स्व. मामा बालेश्वर दयाल के झाबुआ जिले के बामनिया ग्राम स्थित भील आश्रम पर देखने को मिल रहे है। आश्रम में भक्त भाई ,बहिन म.प्र. , गुजरात और खासकर राजस्थान के विभिन्न ग्रामो से आ रहे है। जिनमें मामाजी के प्रति श्रद्धा कूट-कूटकर भरी हुई है। ये भक्तगण वर्षभर में प्रमुखत: तीन मर्तबा मामाजी के आश्रम पर आते है जिनमें दीपावली , होली पर्व और प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला 26 दिसम्बर का पुण्यतिथि आयोजन है। इसके अलावा अपने खेतों की नई फसल के अंश ककडी भुट्टे मामाजी के चरणों में समर्पित कर खुशहाल एवं प्रगतिशील जीवन हेतु आशीर्वाद प्राप्त करते है।

नहीं टिगी आस्था-

मामाजी के अवसान के वर्षो बाद भी मामाजी के इन अटूट भक्तों की आस्था का सिलसिला अनवरत जारी है। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी यहां पर प्रतिदिन बडी संख्या में मामाजी के भगत पैदल एवं अपने निजी वाहनों से आवाजाही कर रहे है। भक्ति और अनुशासन के साथ जीवन यापन करने वाले मामाजी के भगतों द्वारा अपने इस देवता के धाम पर आकर अपनी नई फसल के अंश के रूप में ककडी भुट्टे

चढाने का सिलसिला वर्षो से अनवरत जारी है।

आस्था के आगे बारिश का भी सामना

क्षेत्र भर मे वर्षा का अनवरत दौर जारी है, ऐसे मे भी बारिश मे होने वाली तमाम मुश्किलों का सामना करते हुए भी मामाजी के भक्तगण राजस्थान के दूरस्थ इलाको से यहां आ रहे है, गत बुधवार 3 सितंबर को यहां पहुँचे भक्तो को तेज बारिश का सामना करना पड़ा, आश्रम मे मामाजी की कुटिया ओर समाधि स्थल के बीच उफान पर आ रही नदी के बावजूद भक्तो की आस्था नहीं डिगी, भक्तो ने लम्बे समय तक नदी के प्रवाह कम होने का इंतजार कर रपट से पानी उतरने के बाद मामाजी के समाधि स्थल पहुंच कर शीश नवाया।

बडी दूर से आते है श्रद्वालु

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राजस्थान के डूंगरपुर, कुशलगढ, प्रतापगढ, बांसवाडा, दानपुर और राजस्थान के सुदूर ग्रामों के अलावा गुजरात दाहोद के लिमडी, और म.प्र. के बाजना , सैलाना आदि विभिन्न ग्रामीण अंचलों से नई फसल लेकर मामाजी के आश्रम में आने वाले भक्तों का सिलसिला जारी है। विगत कई वर्षो से परम्परागत रूप से आने वाले भक्तों के अलावा इस बार कई नवीन क्षेत्रों के भगत भी मामजी के प्रति श्रद्वा प्रकट करने के लिए यहां आ रहे है।

भील आश्रम करता है सेवा-

मामाजी के बामनिया स्थित भील आश्रम में सुशीला मूर्ति भाई एवम अनिल विजयभाई मछार, परिवार द्वारा यहां आने वाले मामाजी के भगत परिवारों की आवशयक सुविधाओं का अपने स्तर पर ध्यान रखा जाता है। भगतों का इन दोनों परिवारों से बन्धुत्व का रिश्ता बरसों से कायम है ।

आखिर क्यों बनी हूई है आस्था-

मामाजी आश्रम की पुत्री सुशीला मूर्ति बताती है कि मामाजी के अवसान के बावजूद भी वर्षो से पीढी दर पीढी मामाजी के भगतों की आस्था बनी हुई है। आधुनिक युग में इन भगतों की नई युवा पीढी भी इसका अनुसरण कर रही है। यह दर्शाता है कि मामाजी ने इन भगतों के लिए क्या किया था। मामाजी ने अपने इन भक्तों को कोई रूपया पैसा नहीं दिया किन्तु जीने का जो तरीका बताया , जो संस्कार दिए। वो सब राजस्थान के सुदूर इलाकों के भक्तों की रग रग में समाए हुए है।

मामाजी के परम सेवक विजयभाई मछार ने बताया कि मामाजी ने इन भक्तो का उद्धार किया। मामाजी के भक्तों की ऐसी आस्था है कि अपनी फसल की बोवनी में, खेती बाडी में कोई परेशानी आने में , सुख-दुःख में , जीवन के हर क्षण में , ये लोग मामाजी को याद करते है ।और यह भी सत्य है कि भगतों की विषम परिस्थतियों में मामाजी को याद करने से उनकी सारी परेशानियां भी दूर हो जाती है। अपनी खेती बाडी के मालिक भी भगत लोग मामाजी को मानते है इसलिए नई फसल भेंट करने के लिए यहां वर्षो से पीढी दर पीढी आ रहे है।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता को वैधानिक दर्जा दिलाने के लिए प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स ने आरम्भ किया अभियान

मुंबई राष्ट्रीय अधिवेशन में लिए निर्णय अनुसार देश भर से भेजी जा रही हैं महामहिम राष्ट्रपति के नाम ई याचिकायें

मुंबई। 23 अगस्त को माया नगरी मुंबई में पी सी डब्ल्यू जे के राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर के तमाम पत्रकार एक मंच के नीचे शामिल हुए इस सम्मेलन की सफलता के बाद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर खालिद कैस द्वारा पत्रकार साथियों को आव्हान किया गया है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता की सुरक्षा के लिए हम सभी को सक्रिय होना होगा। इसके लिए देश की महामहिम राष्ट्रपति जी को ई याचिका भेजी जाएंगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर सैयद खालिद कैस एडवोकेट द्वारा महामहिम राष्ट्रपति महोदया को भेजी ई याचिका के बाद राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा शिकायत विभाग पर दावे आपत्तियां आमंत्रित की गई है। जिसके अनुपालन में देशभर से पत्रकारों ने राष्ट्रपति सचिवालय को लोकतन्त्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता को वैधानिक दर्जा दिलाने के लिए हजारों ई याचिकायें भेजी जा रही हैं। इस संदर्भ में मेल करना शुरू हुआ और अभी तक 30 से अधिक स्थानों से पत्रकार साथियों ने इस प्रकार के मेल भेज कर अपनी समस्या से राष्ट्रपति महोदय को अवगत कराया है। विश्वत सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति भवन से भी रिप्लाई आया है और उन्होंने हेल्पलाइन आईडी देकर सभी आवेदन का पंजीकरण शुरू कर दिया है। संभावना है कि वह इस संदर्भ में कुछ उचित निर्णय ले सकेंगे। पत्रकार सुरक्षा कानून की आवश्यकता के विषय में डॉक्टर खालिद कैस हर मंच से पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहते हैं कि हम संगठित रूप से रहने के साथ-साथ पत्रकारों को मिलने वाली योजनाओं से और सुरक्षा से वंचित है। जब शासन प्रशासन संगठित अशिक्षित मजदूरों को भी संबल कार्ड के जरिए लाभान्वित कर सकता है तो हम पढ़े लिखे पत्रकार साथी है हमारा सम्मान भी देश की प्राथमिकता है। जिस दिन पत्रकार अपनी कलम चलाना बंद कर देंगे उस दिन देश में बड़ी समस्याएं सामने आ जाएगी हिटलर शाही चलेगी और अराजकता का भाव जनता में रहेगा इसलिए पत्रकारों का हर परिस्थिति में समाचार के प्रति सजग रहना बेहद जरूरी है। संगठन की राष्ट्रीय संगठन महासचिव शशि दीप ने बताया कि महिला पत्रकार साथी भी बड़ी संख्या में राष्ट्रपति महोदय को पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग के लिए मेल कर रही है संगठन की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती रेखा सोलंकी, डॉ प्रीति प्रसाद निशा गोयल गब्बर सिंह लोधी डी एल चौहान सहित संगठन के मीडिया विभाग के मध्य प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष सुनील योगी, संजय प्रेम जोशी, राजा अजमेरा, मनोज जोशी, योगेंद्र शर्मा संतोष वर्माअनिल धोसरिया आदि ने सभी पत्रकार साथियों से अपील किया कि वह भी अपनी ओर से राष्ट्रपति महोदय को याचिका संबंध में मेल करें और पत्रकार एकता का परिचय दें।।

ईद मिलादुन्नबी पर गरीबों को तोहफे वितरित कर खुशियां बाँटी

आदित्य शर्मा

हर साल की तरह इस साल भी खुशियों का आयोजन संस्था सर्व धर्म संघ ने रखा शहर क़ाज़ी डॉ. इशरत अली रहे उपस्थित

इंदौर – ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर खुशियाँ संस्था सर्व धर्म संघ की ओर से हर साल की तरह इस साल भी विशेष कार्यक्रम आयोजित कर मनाई गई। इस वर्ष संस्था सर्व धर्म संघ के अध्यक्ष मंजूर बैग सफर ए उमराह पर हे आयोजन इस वर्ष संस्था उपाध्यक्ष रियाज ख़ान के नेतृत्व में संपन्न हुआ इस मौके पर गरीब और बेसहारा लोगों को कपड़े वितरित कर सरकार की आमद के 1500 वर्ष पूरे होने की खुशियाँ साझा की गईं। कार्यक्रम में शहर क़ाज़ी डॉ. इशरत अली ,वर्धानंद महाराज जी , एक तू ही गुरुदेव अरुणानन्द महाराज जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि ईद मिलादुन्नबी हमारे नबी की योम ए पदाइश के रोज़ मनाई जाती है और नबी के बताए क़ौल 'लोगो को फायदा पोहँचाते रहो बड़े आदमी बन जाओगे' जो इंसानियत, मोहब्बत और भाईचारे का पैग़ाम देती है। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंदों को कपड़े दिए गए ताकि वे भी त्योहार की खुशियों में शामिल हो सकें एवं नगर निगम की सफ़ाईकर्मियों का सम्मान विशेष अतिथियों द्वारा किया गया ।

शहर क़ाज़ी डॉ. इशरत अली ने कहा कि "गरीबों और बेसहाराओं की मदद करना सबसे बड़ा इंसानी फर्ज है।संस्था की यह पहल काबिले-तारीफ़ है और इससे समाज में भाईचारा व आपसी सद्भाव मजबूत होता है।"

अरुणानंद महाराज ने कहा की

"हमारा देश हिंदू मुस्लिम एकता भाईचारे की मिसाल है और यहाँ सभी क़ौम के लोग मिलकर इस देश को सशक्त बनाते हे ।" इस अवसर पर मुख्य रूप से माहिर शाह वारसी लियाक़त बाबा इदरीस बाबा एडवोकेट समीर बैग डॉक्टर अकबर क़ाज़ी ज़ाकिर ख़ान फ़ैज़ान बैग मुकेश बजाज सोहेल पठान इरशाद शाह हस्सान ख़ान दिलशाद ख़ान इरशाद ख़ान इम्तियाज़ अली बबलू अली जमील कुरैशी पवन यादव आदि लोग मौजूद थे ।

दसलक्षण पर्वराज पर्युषण पर कांच मंदिर पर संस्कृति कार्यक्रमो की श्रृंखला में महिलाओं का भव्य अंताक्षरी कार्यक्रम संपन्न

रणजीत टाइम्स

इंदौर l दसलक्षण पर्वराज पर्युषण के पावन अवसर पर कांच मंदिर इतवारिया

में प्रतिदिन आयोजित सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजित हो रहे है । धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप शिखर की ओर से महिलाओं के लिए एक शानदार और भव्य अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में कुल 7 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया प्रतियोगिता को रोचक बनाने के लिए 6 अलग-अलग राउंड आयोजित किए गए , जिनमें धार्मिक भजन, धार्मिक गीत, और तुरंत उत्तर देने जैसी विविध शैली के प्रश्न शामिल थे। कार्यक्रम संयोजक श्री प्रिंसिपल टोंग्या रितेश पाटनी प्रदीप गंगवाल संजय पापड़ीवाला मनीष गंगवाल* ने कहा कि अंताक्षरी प्रतियोगिता के संचालन के लिए उज्जैन से विशेष रूप से श्रीमती नीता जम्बू धवल एवं श्रीमती मोनिका सेठी को आमंत्रित किया गया । प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेमीनगर जैन कॉलोनी टीम द्वितीय स्थान सोशल ग्रुप पुष्प की टीम को प्राप्त हुआ । विजेता टीमों को शिखर ग्रुप के अध्यक्ष अनूप गांधी, सचिव श्री अंकित रावत, पूर्व रीजन अध्यक्ष श्री वितुल अजमेरा तथा रितेश पाटनी ने पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया।

केंद्रीय जेल भैरवगढ़ का औचक निरीक्षण किया

रणजीत टाइम्स

उज्जैन।कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा ने केंद्रीय जेल भैरवगढ़ का बुधवार शाम औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने जेल में बंदियों से चर्चा की और खाने की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। जेल में बंदी सुधार के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी लेकर जेल में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के सतत संचालन आदि के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था ,सीसीटीवी कैमरा संचालन आदि का निरीक्षण कर कैमरे सतत चालू रखने के आवश्यक दिशा-निर्देश जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार साहू को दिए।

भंडारी भाईपा का वार्षिक सम्मेलन 1 एवं 2 नवम्बर को होगा

रणजीत टाइम्स

भीनमाल । भंडारी भाईपा जिला जालोर का दो दिवसीय 25 वॉ वार्षिक सम्मेलन रजत महोत्सव एक तथा दो नवम्बर को आयोजित किया जायेगा । भंडारी भाईपा के अध्यक्ष मदनराज भंडारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के अनुसार आशापुरा माताजी मंदिर धानपुर में एक नवम्बर को सुबह नाश्ते के बाद सभा में वार्षिक चढ़ावे, नये ट्रस्ट का चयन एवं बहुमान सहित विभिन्न प्रोग्राम के बाद दोपहर का भोजन होगा । बाद में वातानुकूलित बसों द्वारा आशापुरा माताजी पाटस्थान नाडोल के लिए प्रस्थान करगे। आशापुरा माताजी नाडोल जाते समय रास्ते में कमल विहार (फालना) में शाम के भोजन की व्यवस्था की गई है। वहां से रवाना होकर नाडोल में संध्या भक्ति एवं रात्रि विश्राम का कार्यक्रम रखा गया है । दूसरे दिन दो नवम्बर को नाडोल से सुबह दर्शन कर, नास्ता के बाद खेतलाजी, नारलाई, मुसाला महावीर में दुपहर के भोजन के बाद राणकपुर प्रस्थान करेंगे। वहां पर पूजा-दर्शन कर शाम का भोजन भी राणकपुर में किया जायेगा । वहॉ से शाम को वापस रवाना होगे । उक्त कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा भाईयों को भाग लेने का आग्रह भंडारी भाईपा के सचिव शांतिकुमार भंडारी ने कर अनुरोध किया है कि सपरिवार पधार कर इस आयोजन को सफल बनावे । इस रजत महोत्सव को भव्याति-भव्य एवं यादगार बनाने के लिए आप सब की सहभागिता जरूरी है। भंडारी भाईपा के प्रवक्ता ने बताया कि सम्मेलन में पधारने वाले महानुभाव अपने नाम व संख्या धानपुर पेढी पर पंजीकृत करावे। उक्त सूचना अपने निकटतम ट्रस्टी से भी संपर्क कर दे सकते हैं ।

श्री पद्मवंशीय मेवाडा राठौर तेली समाज द्वारा सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का तीसरा दिन

रणजीत टाइम्स

झाबुआ । दुनिया के सारे काम दिमाग से करो, लेकिन भक्ति दिल से करो इसका अर्थ है की जीवन के सभी कार्मों में तर्कसंगत सोच और समझदारी का उपयोग करें, जबकि ईश्वर या किसी उच्च शक्ति के प्रति श्रद्धा

और विश्वास पूरी भावनात्मक निष्ठा और प्रेम से व्यक्त करें। यह बताता है कि तार्किक निर्णय और भावनात्मक भक्ति दोनों जीवन के अलग-अलग पहलुओं के लिए महत्वपूर्ण हैं, एक को दूसरे पर हावी नहीं होने देना चाहिए। उक्त उद्गार स्थानीय श्री विश्व शांति नवग्रह शनि मंदिर परिसर में श्री पद्मवंशीय मेवाडा राठौर तेली समाज द्वारा सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन व्यास पीठ पर विराजमान प्रख्यात कथा वाचक पं. विनोद शर्मा (भदवासा वाले) ने कहे। उन्होंने जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। भागवत कथा के दौरान विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए कहा कि हमे जो पसंद है वह काम मत करों, भगवान को पसंद है वह कार्य करों, तुम भगवान की पसंद बन जाओगे। उन्होंने भगवत कीर्तन करने, ज्ञानी पुरुषों के साथ सत्संग कर ज्ञान प्राप्त करने व अपने जीवन को सार्थक करने का आह्वान किया। कथा के दौरान संगीतमय भजनों की धुन पर श्रोता भाव विभोर हो गए।

लाभार्थी परिवार का किया स्वागत

श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन के लाभार्थी परिवार का कथा के अंत में स्वागत किया गया। लाभार्थी राजेश सागरमल आसरमा को मोतियों की माला, सिर पर पगडी और गले में गमछा डालकर समाज के कोषाध्यक्ष अजय रणछोडलाल राठौर और शंकरलाल राठौर द्वारा प्रतिक चिन्ह देकर लाभार्थी परिवार को सम्मानित किया गया। स्वागत समारोह के पश्चात लाभार्थी परिवार द्वारा भागवतजी की आरती कर प्रसादी का वितरण किया।

पुलिस अधीक्षक झाबुआ द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किए गए 10 अत्याधुनिक "डायल 112 वाहन

रणजीत टाइम्स

झाबुआ l पुलिस अधीक्षक झाबुआ श्री रघुवंश सिंह द्वारा "डायल 112" के 10 नवीन एफआरवी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर* जिले के विभिन्न थाना एवं चौकियों के लिए रवाना किया गया। यह वाहन पुलिस मुख्यालय द्वारा जिला झाबुआ को आवंटित किए गए हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपाल सिंह महोबिया, एसडीओपी झाबुआ श्रीमती रूपरेखा यादव, डीएसपी श्री कमलेश शर्मा, डीएसपी श्री गिरीश कुमार जेजुरकर, रक्षित निरीक्षक श्री अखिलेश राय, पत्रकार बंधु एवं अन्य पुलिस अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

आपसी स्वभाव की समझ होगी तो विवाद स्वतः सुलझ जायेंगे -संयतमुनिजी म.सा.

रणजीत टाइम्स

नागदा जं । मीडिया प्रभारी नितिन बुडावनवाला ने बताया कि पूज्य आचार्य उमेशमुनिजी म.सा. के गुरूभ्राता पूज्य रूपेन्द्रमुनिजी म.सा. की पुण्यतिथि पर 3-3 सामायिक के साथ लगभग 71 एकासने का आयोजन पर्वतसिंह डोडीया रत्नाखेड़ी वालों द्वारा किया गया। धर्मसभा में अणुवत्सजी म.सा. ने कहा कि साधु का धर्म और श्रावक का धर्म अलग-अलग होता है। साधु का धर्म मन, वचन, काया से पाप को बचाते है। श्रावक भी धर्म आराधना करता है साधु भी। दोनो में बहुत फर्क होता है। श्रावक के व्रत सोने जैसे होते है जो टूकड़ों में भी बंट जाते हैं। साधु के व्रत मोती जैसे होते है जो टुटते नहीं, पूरे रहते है। रूपेन्द्रमुनि जी के गुणगान करते हुए कहा कि बचपन से ही पिता से वियोग हो गया था। बहन, भाई, माता बचे जिसमें माता के संस्कार ने धर्म के मार्ग को आगे बढ़ाया। समय'-समय के चलते पूरा परिवार दीक्षित हो गया। पूज्य अणु से रूपेन्द्रमुनिजी पद और उम्र में बड़े पर हमेशा उन्होंने अणु जी को आगे बढ़ाया। उन्होंने अपनी प्रसिद्धि के लिए कोई कार्य नहीं किया। धर्म के प्रति बिना अभिमान के बहुत ज्ञान था। अणु एवं गुरूभ्राता दोनों अपने-अपने स्वभाव को समझकर साथ देते थे। आदित्यमुनिजी ने कहा कि जीवों की हिंसा करके जीव खुशी बनाता है। अग्निकाय, वायुकाय, जलकाय, पृथ्वीकाय के जीवों की कितनी हिंसा करता है। वो अपने सुख की चाह में जीवों की रक्षा नहीं कर पा रहा है। जीव केवल इंद्रीयों के सुख में जीना चाहता है। जीवन में वो ही सुखी हो सकता है जो जीवो की हिंसा को रोके। पानी का अपव्यय कितना हो रहा है। लोगो को पीने को नहीं मिल रहा है और हम उसे ढोलकर जीवों की हिंसा कर रहे है। इस हिसा का दुःख परिवार भुगतता हैं, इससे बचकर पुण्य के भागीदार बनें। 3 उपवास रेखा मुकेश धोका, 9 उपवास लाडकुंवर डोडीया, 9 उपवास चंद्रशेखर खिंदावत के पूर्ण हुए, 10 उपवास रंजना कुंवर डोडिया एवं 16 उपवास निर्मला सरदारमल चण्डालिया के चल रहे है। निर्मलाजी चण्डालिया अत्यन्त धार्मिक है उनका यह आठवां मासक्षमण है। संजेली श्री संघ दर्शनार्थ पधारे एवं संजेली बालीका बहुमण्डल ने सुंदर स्तवन प्रस्तुत किया। संचालन राजेन्द्र कांठेड ने किया एवं आभार संतोष चपलोद ने माना।

शासकीय विधि महाविद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

रणजीत टाइम्स

खरगोन। शासकीय विधि महाविद्यालय खरगोन में विधि विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दिग्विजय सिंह मण्डलोई के द्वारा शिक्षक दिवस के महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षक समाज के निर्माता होते है तथा उनके बिना समाज सही राह पर नहीं चल सकता। डॉ. मण्डलोई के द्वारा अपने अध्यापन काल में अपने गुरूओं द्वारा दिये गये सफलता के सिंद्धातों को छात्रों के साथ साझा किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी प्रो. चन्द्र भान त्रिवेदी के द्वारा छात्रों को अनुशासन एवं कडी मेहनत से सफलता कैसे प्राप्त की जाती है बताया। कार्यक्रम का संचालन एल एल.बी. शुभम मण्डलोई द्वारा किया गया एवं आभार साहिल शेख के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालय परिवार एवं विद्यार्थी उपस्थित थे ।

पुलिस ने किया डायल-112 का शुभारंभ

सुरक्षा, सुशासन और गतिशीलता का समन्वय के तहत वाहनों का फ्लैग ऑफ कार्यक्रम

पुलिस मुख्यालय भोपाल से जिले को प्राप्त हुए है 21 नए वाहन

रणजीत टाइम्स

गुरुवार को पुलिस लाइन खरगोन में पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड़ रेंज खरगोन एवं पुलिस अधीक्षक खरगोन ने आधुनिक सुविधा से लैस 21 नवीन 112 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर संबंधित थाना क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया

जिले के नागरिकों की सुरक्षा एवं त्वरित पुलिस सहायता सुनिश्चित करने हेतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा खरगोन जिले को कुल 21 नवीन एफ.आर.व्ही. (डायल-112) वाहन प्रदाय किए गए है।

पूर्व से संचालित डायल-100 सेवा का आधुनिक समय के अनुसार डायल-112 सेवा के रूप में आधुनिकीकरण हुआ है । डायल-112 नम्बर राष्ट्रीय आपातकालीन नम्बर है, जिसमें पुलिस, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, आपदा प्रबंधन, सायबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा, आदि अन्य आपातकालीन एजेंसीयों को जोड़ा गया है । इस नम्बर से आपात परिस्थितियों में पुलिस सहायता और अधिक त्वरित एवं प्रभावी होगी । अब इन 21 नये एफआरव्ही वाहनों के जुड़ने से जिले में पुलिस के रिस्पॉन्स टाईम में सुधार होगा तथा सड़क दुर्घटनाओं, अपराध की सूचनाओं, आगजनी, महिला सुरक्षा संबंधी घटनाओं एवं अन्य आकस्मिक परिस्थितियों में नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध हो सकेगी ।

उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड़ रेंज खरगोन सिद्धार्थ बहुगुणा एवं पुलिस अधीक्षक खरगोन धर्मराज मीना द्वारा डी.आर.पी.लाईन. से शहरी क्षैत्र हेतु 09 स्कॉर्पियों वाहन एवं ग्रामीण क्षैत्र हेतु 12 बोलेरो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर थानों/एफआरव्ही वाहनों के नोडल पाईट पर रवाना किया गया । सभी वाहन फील्ड में क्षेत्र अनुसार निर्धारित नोडल प्वॉइंट पर ड्यूटी में तत्पर रहेंगे । उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड़ रेंज एवं पुलिस अधीक्षक खरगोन द्वारा वाहनों में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया, विभिन्न तकनीकी, उपकरण एवं आपात स्थिति हेतु उपलब्ध टूल्स, स्ट्रेचर, रस्सी, कटर, अग्निषमन यंत्र, प्राथमिक उपचार किट इत्यादि भी चैक किये गये । नवीन 112 एफआरव्ही वाहनों में घायल/पीड़ित की मदद हेतु फोल्डिंग स्ट्रेचर की एवं घायल को लिटाने हेतु सीट फोल्ड कर बर्थ की तरह व्यवस्था की गई है । एफआरव्ही में तैनात पुलिस स्टॉफ एवं एफआरव्ही चालकों को डायल-112 कॉलर/पीड़ित के साथ विनम्र व्यवहार करने हेतु निर्देश दिये गये ।

उक्त फ्लैग ऑफ कार्यक्रम के अवसर पर अति. पुलिस अधीक्षक खरगोन श्रीमति शकुन्तला रुहल, एस.डी.ओ.पी. खरगोन रोहित लखारे, निरीक्षक रेडियो दैवेन्द्र सिंह परिहार, सुबेदार दिपेन्द्र स्वर्णकार प्रभारी डायल-100 प्र.आर (रेडियो) विनय सोलंकी तथा जिले के अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी एवं पत्रकार गण उपस्थित रहे

रणजीत टाइम्स

गुरु विरजा नंद वैदिक गुरुकुल में एक तू ही जयगुरूदेव सदुरु स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज साहेब ने ओर पूर्व राज्य मंत्री दिलीप राजपाल ने बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए जयगुरूदेव महाराज ने अभ्यर्थियों को बताया कि सही ज्ञान और व्यवस्थित दिनचर्या,सात्विक भोजन से अपने बच्चों की परवरिश होती हैं तो निश्चित ही बच्चे देश अपने गुरुओं और धर्म का मान बढ़ाते हैं आशीर्वाद स्वरूप बच्चों को सत्य मार्ग की शिक्षा दी साथ में थे अनोखी लाल अगदले ओर किसन भालसे।

शिक्षक दिवस : ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा का पर्व

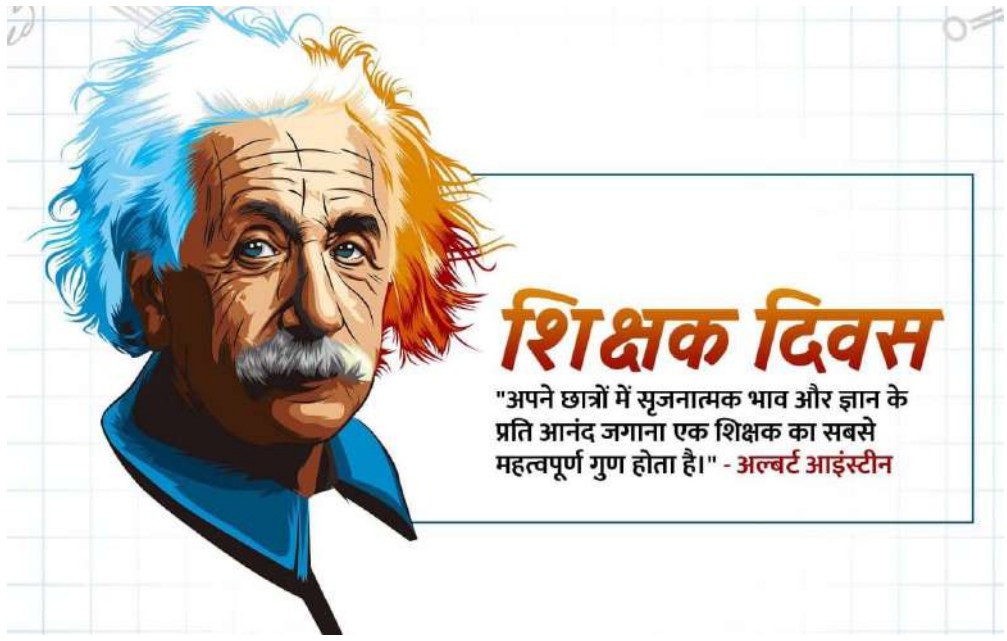

भारत की महान परंपराओं में से एक परंपरा है गुरु-शिष्य परंपरा। इसी परंपरा की स्मृति और सम्मान में हर साल 5 सितम्बर को हम शिक्षक दिवस मनाते हैं। यह दिन महान दार्शनिक, विद्वान, शिक्षक और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को समर्पित है।

शिक्षक का महत्व

शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि वे जीवन का पाठ पढ़ाते हैं। वे हमें सिखाते हैं कि मुश्किल परिस्थितियों से कैसे निकलना है, नैतिक मूल्यों को कैसे अपनाना है और समाज के लिए जिम्मेदारी निभाना कितना जरूरी है। एक शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाता है। जिस प्रकार एक माली बगीचे के पौधों को सींचकर उन्हें सुंदर वृक्ष बनाता है, उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य को सींचकर उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं।

आधुनिक युग में शिक्षक

आज तकनीक और इंटरनेट के युग में भले ही ज्ञान प्राप्ति के अनेक साधन मौजूद हों, परंतु मानवता, संस्कार और जीवन जीने की कला केवल शिक्षक ही सिखा सकते हैं। एक सच्चा शिक्षक हर विद्यार्थी की प्रतिभा पहचानकर उसे नई ऊँचाई पर पहुँचाने का कार्य करता है।

शिक्षक दिवस का संदेश

शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं है, बल्कि यह हमें यह याद दिलाता है कि जिनके कारण हम जीवन में आगे बढ़ते हैं, उनका सम्मान और आदर करना हमारी जिम्मेदारी है। यह दिन उन शिक्षकों को समर्पित है जो बिना किसी स्वार्थ के, धैर्य और प्रेम से ज्ञान का दीप जलाते हैं।

अंत में यही कहना उचित होगा

"गुरु वह है जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए,
ज्ञान के साथ-साथ संस्कार भी सिखाए,
शिक्षक दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि
हम हमेशा अपने गुरुओं का सम्मान करें।"

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स